विजयवाड़ा मंडल

रूपरेखा

मद्रास तथा दक्षिण मराठा रेलवे के सम्मिलन के पश्चात, दिनांक 14.04.1951 को दक्षिण भारत रेलवे तथा मैसूर राज्य रेलवे के रूप में अस्तित्व में आया तथा दिनांक 16.05.2016 को दक्षिण रेलवे के आठ मंडलों में एक मंडल के रूप में गठन हुआ. दिनांक 02.10.1966 को दक्षिण मध्य रेलवे के गठन पर विजयवाड़ा मंडल इसका भाग बन गया. विजयवाड़ा मंडल भारतीय रेल नेटवर्क में एक प्रमुख भूमिका निभाता है. यह दक्षिण भारत का प्रवेश द्वार है तथा पूर्व, दक्षिण, पश्चिम और उत्तर को जोड़ता है.

विजयवाड़ा मंडल और स्टेशन

स्टेशन की श्रेणी	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम	
ए-1 श्रेणी	1	विजयवाड़ा	
ए- श्रेणी	13	1. गूडूर 2. नेल्लूर 3. ओंगोल 4. चीराला 5. तेनाली 6. एलूरु 7. ताडेपल्लिगूडेम	8. राजमंड्री 9. सामलकोट 10. काकिनाडा टाउन 11. तुनी 12. अनकापल्ली 13. भीमवरम टाउन
बी- श्रेणी	12	1. कावली 2. सिंगरायकोंडा 3. बापट्ला 4. निडदवोलु 5. काकिनाडा पोर्ट 6. अन्नवरम	7. नरसापुरम 8. पालकोल्लु 9. भीमवरम जंक्शन 10. तणुकु 11. गुडिवाडा 12. मचिलीपट्टणम
डी श्रेणी	14	1. वेदायपालेम 2. निडुब्रोलु 3. पावरपेट 4. कोव्वूर 5. गोदावरी 6. द्वारपूडी 7. अनपर्ति	8. पिठापुरम 9. नरसीपट्नम रोड 10. एलमंचिली 11. वीरवासरम 12. आकिवीडु 13. कैकलूरु 14. पेडना
ई श्रेणी	77	उपर्युक्त के अलावा तथा हाल्ट स्टेशन	
एफ श्रेणी	44	सभी हाल्ट स्टेशन	
कुल	161		
कोचिंग यातायात को न संभालने वाले स्टेशन	6	गुणदला, सर्पवरम, कोमरपूडी, निडुगुंटपालेम, वेंकटाचलम रोड तथा कृष्णपट्नम	